बुधवार
19 जून 2024

पृष्ठ 4

गर्मियों में परफ्यूम की महक को पूरे...

पृष्ठ 5

स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग सीखते वक्त आया...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 136
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

निराशा के समान दूसरा पाप नहीं। आशा सर्वोत्कृष्ट प्रकाश है तो निराशा घोर अंधकार है।
— रश्मिमाला

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पड़ोसी दुकानदार का हत्यारा गिरफ्तार, चाकू बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। चाकू से गोदकर पड़ोसी दुकानदार की हत्या करने वाले दूसरे दुकानदार को पुलिस ने मात्र कुछ घंटो में ही गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया गया है। मामले में आरोपी का मददगार चाचा फरार है जिसकी तलाश जारी है। ग्राहक के कोल्ड ड्रिंक खरीदने को लेकर हुए विवाद में जहां दुकानदार की हत्या की गयी है वहीं उसके पिता गम्भीर हालत में हायर सेंटर में भर्ती है।

बता दें कि बीती 17 जून की रात लालजीवाला बस्ती में दुकानदारों के बीच कोल्ड ड्रिंक बेचने को लेकर हुए आपसी विवाद में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के पिता-पुत्र पर चाकू से वार कर उन्हे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। सूचना मिलने पर पुलिस द्वारा दोनों घायलों (रामजीत व दिनेश) को जिला चिकित्सालय ले जाया गया। जहां पुत्र (दिनेश) को मृत घोषित कर दिया गया गया। जबकि घायल पिता को चिकित्सकों

हत्यारोपी के मददगार चाचा की तलाश जारी

दल द्वारा एम्स ऋषिकेश के लिए रेफर किया गया। उपचार के उपरांत मृतक के पिता रामजीत द्वारा दिए गए शिकायती प्रार्थनापत्र पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या व जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम को पता चला कि हत्या के इस मामले में आरोपी का चाचा उसका मददगार है। इस पर पुलिस अब चाचा भतीजे की तलाश करने लगी। लगातार किए जा रहे प्रयासों के क्रम में पुलिस द्वारा मात्र कुछ घंटो के भीतर ही नामजद हत्यारोपी केदार उर्फ खैरिया को चमगादड टापू से वारदात में प्रयोग किए गए आलाकत्ल (चाकू) के साथ दबोचा गया। पुलिसं अब मामले में फरार चल रहे मददगार चाचा की तलाश में जुटी हुई है।

डोभाल चौक गोलीकाण्ड: घायलों का ईलाज सरकारी खर्च पर करने की मांग को लेकर धरना, प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। डोभाल चौक पर हुए गोलीकाण्ड में एक की मौत व दो लोगों के घायल होने के मामले में क्षेत्रवासियों ने धरना दिया और जिलाधिकारी से घायलों का ईलाज सरकारी खर्च पर होने की मांग के साथ ही आरोपी के मकान के ध्वस्तीकरण की मांग की।

उल्लेखनीय है कि गत 16 जून को नेहरू ग्राम के डोभाल चौक निवासी सूदखोर देवेन्द्र शर्मा उर्फ सोनू भारद्वाज के घर से हुई फायरिंग में एक युवक की मौत हो गयी थी जबकि दो गम्भीर रूप से घायल हो गये थे। घटना के बाद पुलिस ने मौके से सोनू भारद्वाज सहित तीन लोगों को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया था। हत्याकाण्ड के मुख्य आरोपी रामवीर को पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया था। जिसको लेकर क्षेत्रवासियों में काफी

आक्रोश व्याप्त है। गत दिवस भी लोगों ने भारद्वाज के घर के पास धरना देकर उसके घर में तोडफोड कर रास्ता जाम किया था। इस दौरान बेरोजगार संघ के बॉबी पंवार भी अपने समर्थकों के साथ धरना स्थल पर पहुंचे और अपना समर्थन दिया। आज सुबह क्षेत्रीय महिला वहां पर एकत्रित हुई और उन्होंने धरना शुरू कर दिया। धरने पर बैठे लोगों की मांग थी कि सोनू भारद्वाज का घर अवैध रूप

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

नालंदा यूनिवर्सिटी के नए कैंपस का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के नए कैंपस का उद्घाटन कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन से पहले राजगीर में प्राचीन नालंदा के खंडहरों का दौरा किया। प्रधानमंत्री ने यहां एक पौधा भी लगाया। नालंदा विश्वविद्यालय के नए कैंपस के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर, बिहार के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार,

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा तथा 17 देशों के राजदूत भी शामिल थे। विश्वविद्यालय का नया कैंपस नालंदा के प्राचीन खंडहर स्थल के करीब है। नए कैंपस में 6 रिसर्च सेंटर हैं जिनमें बौद्ध अध्ययन, दर्शन और तुलनात्मक धर्म स्कूल, ऐतिहासिक अध्ययन स्कूल, पारिस्थितिकी और पर्यावरण अध्ययन स्कूल, और सतत विकास और प्रबंधन स्कूल शामिल हैं।

राम मंदिर की सुरक्षा में तैनात जवान की गोली लगने से मौत

हमारे संवाददाता

अयोध्या। राम मंदिर की सुरक्षा में तैनात एसएसएफ के जवान की गोली लगने से मौत हो गई। घटना आज सुबह 5 बजकर 25 मिनट पर घटित हुई है। जवान का नाम शत्रुघ्न विश्वकर्मा था। जो अंबेडकरनगर का रहने वाला था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राम मंदिर परिसर में आज सुबह गोली चलने की आवाज सुनकर साथी सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे। वहां देखा कि शत्रुघ्न खून से लथपथ हालत में पड़ा हुआ है। उसे गोली लगी थी। साथी जवान उसे अस्पलात लेकर पहुंचे। यहां से घायल जवान को ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जवान की मौत से अयोध्या मंदिर

परिसर में हड़कप मच गया। आईजी और एसएसपी मौके पर पहुंचे। उन्होंने खुद घटनास्थल की जांच की। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। शुरुआती जांच में इसे आत्महत्या का मामला माना जा रहा है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत की असल वजह स्पष्ट हो पाएगी।

बता दें कि शत्रुघ्न विश्वकर्मा 2019 बैच का था। अंबेडकरनगर के थाना सम्मनपुर के गांव कजपुरा का रहने वाला था और एसएसएफ में तैनात था। एसएसएफ फोर्स को चार साल पहले योगी सरकार ने मंदिर की सुरक्षा के लिए गठित किया गया है। मृत जवान के साथियों ने बताया कि घटना से पहले शत्रुघ्न मोबाइल देख रहा था। वह कुछ दिन से किसी बात को लेकर परेशान भी चल रहा था। पुलिस ने उसका मोबाइल भी जांच के लिए भिजवाया है। पुलिस ने मृत जवान के परिवार को सूचना दे दी है। परिजन मौके पर पहुंच गए हैं, उनका रो-रोकर बुरा हाल है. परिवार वालों को यकीन ही नहीं हो रहा कि शत्रुघ्न अब इस दुनिया में नहीं है।

बताया जा रहा है कि तीन महीने पहले भी राम मंदिर की सुरक्षा में तैनात जवान को गोली लगी थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

आग का गोला बनी धरती

भले ही विश्व भर के पर्यावरण विशेषज्ञ लंबे समय से ग्लोबल वार्मिंग को लेकर सभी को सतर्क करते रहे हो और इसके विनाशकारी परिणामों को लेकर चिंता जताते रहे हो लेकिन उनकी आवाज को अनसुना करना अब मानवीय जीवन पर ही नहीं तमाम जीव-जंतुओं के अस्तित्व का भी सवाल बन चुका है। धरती का तापमान जिस तेजी से बढ़ रहा है अगर उस पर प्रभावी ढंग से अंकुश नहीं लगाया जा सका तो आने वाले कुछ ही सालों में यह विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन जाएगा। बात अगर अपने देश की की जाए तो देश के कई हिस्सों में मई और जून के महीनो में तापमान ने तमाम पुराने रिकॉर्ड तोड़ते हुए लंबी छलांग लगाई है। कई राज्यों में इस दौरान पारा 48 से 50 डिग्री सेल्सियस के इर्द-गिर्द घूमता दिखाई दे रहा है। यूपी में लंबे समय से पारा 48 के आस-पास है उत्तर प्रदेश में हीट वेव के कारण अब तक 150 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है अकेले बुंदेलखंड में 90 से अधिक लोग मर चुके हैं। देश का कोई भी हिस्सा इस बार भीषण गर्मी और लू की जद से बाहर नहीं है। मैदानों से सुकून की तलाश में पहाड़ों का रुख करने वाले लोग इस बार पहाड़ों का तापमान देखकर दंग है। उत्तराखंड की राजधानी दून का ऑल टाइम रिकॉर्ड 31 मई को टूट चुका है जब पारा 43.30 सेल्सियस के पार चला गया। बीते 5 दिनों से राजधानी दून में तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है तथा 42 से 43 डिग्री के बीच बना हुआ है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दो-चार दिनों में अगर यह पारा 44 तक पहुंच जाता है तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। दिन में तेज धूप और तेज गर्म हवाओं के थपेड़ों के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। खास बात यह है कि पूर्व समय में रात के तापमान में भारी कमी देखी जाती थी लेकिन इस साल रात का तापमान भी 28-29 सेल्सियस से नीचे नहीं आ रहा है पहाड़ के लोगों ने शायद इससे पूर्व मौसम का यह मिजाज कभी नहीं देखा था। पर्यावरण के विनाश की कीमत पर किए जाने वाले विकास को लोग भले ही अब कोस रहे हो लेकिन इन कोसने वालों को अब पीने के लिए पानी भी नसीब नहीं हो पा रहा है। राज्य के प्राकृतिक जल स्रोत सूखते जा रहे हैं अब तक 277 से अधिक जल स्रोतों के सूखने से पूरे प्रदेश में पेयजल संकट खड़ा हो गया है। बात अगर दून की करें तो यहां का सबसे प्रमुख जल स्रोत शिखर फॉल भी सूखने जा रहा है। दून में 92 और अल्मोड़ा के 72 जल स्रोतों सहित तमाम जल स्रोतों के सूखने से लोगों में हाहाकार मचा हुआ है। उत्तरकाशी के लोग पेयजल के लिए सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। दून में टैंकरों से पेयजल आपूर्ति की जा रही है। एक तरफ भीषण गर्मी की मार और दूसरी तरफ पीने के लिए पानी की किल्लत और बाकी रही सही कमी को बिजली की कटौती पूरा कर रही है। पहाड़ से मैदान तक इस भीषण गर्मी के कारण हाहाकार मचा हुआ है। जहां मानसून के आने की बात है तो मध्य जून तक पहुंचने वाला मानसून भी इस बार जून के अंत तक ही आने की बात कही जा रही है।

विकास मेरे शहर का !

पिछली स्याही के आगे का हिस्सा (भाग दसवाँ जारी)

●नरेन्द्र कठैत

कितना आश्चर्य है कि उधारी खाते में निराला जी का नाम - और योगदानी मजा लेते रहे। तनिक मंथन करें- हम में से कितने कलम साधक हैं - जो इतनी लांछन झेल सकते हैं। सत्य कहें तो आज भी निराला जैसी कर्मठ छवि के सामने -बिना खाता बही के किशोरी और उस जैसे कामगार की हथौड़ी ही ज्यादा प्रासंगिक है।

इसी सिविल लाइन क्षेत्र में मजदूर वर्ग के दो और प्रतिनिधि थे- धन बहादुर और उसकी पत्नि। और साथ में दो छोटे बच्चे-मुन्ना और माया! सिविल लाईन, तारा लॉज से लेकर क्यूंकालेश्वर मोहल्ला तक कोई भी ऐसा घर नहीं था- जहाँ तक धन बहादुर का घनिष्ठता का दायरा नहीं था। धन बहादुर को मालूम होता था -कि किस घर की लकड़ी, कोयला खत्म होने वाला है। धन बहादुर बिना इतला दिए लकड़ी, कोयले का गट्ठर लेकर वहाँ पहुँच जाता था।

मजदूर वर्ग के ये दो परिवार ! लेकिन वर्ग संघर्ष का पहला अध्याय इंही के मध्य देखा। टीन टप्पड़ का एक घर ऊपर जी.आई.सी. के दूसरे छोर पर किशोरी ने बनाया। तो कुछ ही दिन बाद सिविल लाईन के ऊपर एक केसर-ए-हिंद जमीन पर धन बहादुर ने भी वैसा ही टीन टप्पड का घर बना डाला। कई वर्षों तक हमने किशोरी और धन बहादुर दम्पति को इस शहर के 'विकास' को अपने खून पसीने से सींचते देखा।

दो तीन दशक पूर्व तक किशोरी दम्पति तो दिख जाते थे। लेकिन धन बहादुर की पत्नि की असामयिक मृत्यु के बाद उसका परिवार बिखर सा गया था। पहले माया को इसी शहर का 'विकास' भगा ले गया। फिर कुछ समय बाद मुन्ना भी लापता हो गया। धन बहादुर अप्रत्याशित घटी इन घटनाओं से बावला सा हो गया। फिर भी -उसका सबसे बड़ा गम एक ही था- पत्नि की असामयिक मौत का। लेकिन वह न थका न हारा! हमारे 'विकास' की खातिर बोझा ढोता रहा -और रोता रहा। वो जब कहीं मिलता और उससे कोई पूछता ध न बहादुर कैसे हो? तो वो डबडबाई आँखों से फकत इतना भर कह पाता -'मुन्ना की माँ!'

एक समय ऐसा भी आया कि कई दिनों तक - धनबहादुर नहीं दिखाई दिया। 'विकास' के आस-पास अटकलों का बाजार गर्म हुआ। किसी ने कहा वो नेपाल चला गया। किसी ने कहा उसे मुन्ना अपने साथ ले गया। किसी ने कहा मुन्ना नहीं माया के साथ गया। लेकिन कुछ दिन बाद जब जिज्ञासू लोगों ने उसके टीन टप्पड़ के अन्दर झाँका - तो धन बहादुर वहाँ मृत मिला।

तब से अब तक लगभग चार दशक बीच चुके हैं। आज भी श्रमिक हैं- श्रम बल है। लेकिन तमाम बैनर, पोस्टर, बोर्ड-योगदानियों के ही कब्जे में हैं। अगर पूछें - ये लोग कौन हैं? इस सवाल के जवाब में हमारा 'विकास' भी मौन है।

साभार: नरेन्द्र कठैत के फेसबुक पेज से

पुलिस की एके-47 लेकर फरार हुआ युवक

हमारे संवाददाता

जम्मू कश्मीर। पुलिस अधिकारी को अपनी कार में एक युवक को लिफ्ट देना उस समय भारी पड़ गया जब उक्त युवक उनकी एके-47 लेकर ही फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने उस युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार फरार हुए शख्स का नाम मोहम्मद रफी है जो पुलिस की ऑटोमैटिक राइफल के साथ डोडा के टाउन इलाके से गायब हुआ है। इस घटना के बाद पुलिस के हाथ-पांव फूल गए और सुरक्षा का खतरा भी बढ़ गया है। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब जम्मू-कश्मीर में कई आतंकी संबंधित घटनाएं देखी जा रही हैं और सेनाएं पहले से ही हाई अलर्ट पर हैं। अधिकारियों का कहना है कि पुलिस उस शख्स का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चला रही है।

❑पुलिस अधिकारी की कार में लिफ्ट लेकर दिया घटना को अंजाम

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, एसटीएफ पोस्ट चिराला से एसपीओ सफदर हुसैन अपनी कार से जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में मोहम्मद रफी पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद इकबाल मिल गया। उसने कार में लिफ्ट ली, मोहम्मद रफी डोडा जिले के ट्रॉन इलाके का रहने वाला है। सफदर का कहना था कि कार में वो सरकारी राइफल (एके-47) भी रखे हुए थे। जब वो पुल डोडा के पास एक दुकान से पानी लेने के लिए उतरे तो उन्होंने अपनी राइफल कार में ही छोड़ दी। इसी दौरान मोहम्मद रफी कार समेत राइफल लेकर भाग गया, खोजबीन की गई तो कार भल्ला इलाके में जगोटा के पास मिली है जबकि मोहम्मद रफी एके-47 समेत गायब है। जिसकी तलाश अब पुलिस कर रही है।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने मोतीचूर फ्लाईओवर के पास एक मोटरसाईकिल सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से आठ ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम सोनू पाल पुत्र राजपाल निवासी वैदिक नगर रायवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

जमीन के नाम पर एक करोड रुपये की ठगी करने पर मुकदमा दर्ज

देहरादून (संवाददाता)। जमीन के नाम पर एक करोड रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार लांघा रोड निवासी जगतराम डोगरा ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि ताराचन्द गुप्ता पुत्र जयन्ती प्रसाद गुप्ता निवासी भरत विहार, ऋषिकेश, देहरादून, उत्तराखण्ड ने अपनी भूमि किशनपुर, परगना पछवादून, का सौदा द्वारा अनुबन्ध पत्र 29 जून 2022 को बलराम यादव पुत्र बनवारी लाल निवासी बनियावाला, गोरखपुर, आरकेडियग्रांट, एवं जगत राम डोगरा पुत्र हसंराज डोगरा निवासी-लांघा रेंज, के साथ 4 करोड 25 लाख रूपये में तय किया है जिसके एवज में बलराम यादव एवं जगत राम डोगरा द्वारा ताराचंद गुप्ता को समय-समय पर एक करोड़, दो लाख रूपये द्वारा नगद, आर.टी. जी.एस. एवं चैक के माध्यम से अदा कर दिये हैं परन्तु उपरोक्त ताराचंद गुप्ता द्वारा अनुबन्ध पत्र में तय शर्तों का पालन नहीं किया गया और गलत तथ्यों के आधार पर विश्वास जताकर धोखे से रकम हड़पता रहा, जबकि उक्त भूमि विवादित है जिसका वाद न्यायालय में विचाराधीन है। ताराचंद गुप्ता द्वारा तथ्यों को छिपाकर, धोखाधड़ी की मंशा से उसके साथ छल किया गया है व उसके एक करोड दो लाख रूपये धोखे से हड़प लिये हैं और अब ताराचन्द गुप्ता ना ही उसका फोन उठाता है और ना ही उससे मिलता है, ना ही उसके पैसे व वापस कर रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

भय दिखाकर 50 लाख की मांग करने पर दो के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। भय दिखाकर जमीन या 50 लाख रूपये की मांग करने पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार त्यागी रोड निवासी राजीव तलवार ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी भूमि ग्राम धनोला सहस्त्रधारा स्थित का स्वामी है। उसका नाम राजस्व अभिलेखों में उक्त भूमि की बाबत बतौर संक्रमणीय भूमिधर के रूप में दर्ज व अंकित है। उसके द्वारा उपरोक्त भूमि प्रशांत डोभाल पुत्र गणेश प्रसाद डोभाल निवासी इन्दर बाबा मार्ग, राजपुर रोड, देहरादून के साथ संयुक्त रूप से विक्रय 27 जुलाई 2006 को भूमि के पूर्व स्वामी भरत सिंह नेगी से क्रय की थी। भूमि के पूर्व स्वामी भरत सिंह नेगी द्वारा उक्त भूमि मूलखातेदार सिंहवीर सिंह पुत्र गोडिया से वर्ष 2006 में क्रय की थी। सहवीर सिह का नाम राजस्व अभिलेखों में निर्विवादित रूप से बतौर संक्रमणीय भूमि धर दर्ज व अंकित था व तत्पश्चात भरत सिंह नेगी व उसके उपरान्त उसके तथा प्रशांत डोभाल का नाम उपरोक्त भूमि के बाबत निर्विवादित रूप से दर्ज व अंकित चला आ रहा है। पिछले कुछ समय से कृष्ण कुमार जायसवाल पुत्र सूरज भान निवासी सर्कुलर रोड, डालनवाला, देहरादून व शाकुल उनियाल पुत्र सूरज उनियाल निवासी गुजराड़ा, देहरादून के द्वारा उस पर उक्त भूमि उन्हें विक्रय करने का दबाव बनाया जा रहा था व भूमि न देने की स्थिति में भूमि को विवादित कर देने अथवा राज्य सरकार में निहित कराने में धमकी दी जा रही थी। उन दोनों व्यक्तियों द्वारा उसको या तो वो जमीन उन्हें सस्ते भाव में दने के लिए दबाव बनाया या उस विक्रय पत्र के एवज में 50 लाख रूपये की मांग की गयी और उसके द्वारा मांग ना मानने की स्थिति में उस विक्रय पत्र के आधार पर उसकी भूमि को विवादित दर्शा सरकार में निहित करने का कथन किया। उसको भयादोहन कर उससे मु० 50 लाख रूपये अथवा उस जमीन को उनके नाम करने हेतु दबाव बनाया जा रहा था। उपरोक्त प्रकरण में उप निबंधक कार्यालय के कर्मचारियों की भूमिका भी संदिग्ध है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

उपचुनाव कांग्रेस के लिए एक चुनौती हैः माहरा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि विधानसभा उपचुनाव कांग्रेस पार्टी के लिए एक चुनौती के रूप में हैं।

आज यहां बद्रीनाथ एवं मंगलौर विधानसभा उपचुनाव की रणनीति को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा की अध्यक्षता में कांग्रेस पार्टी के अनुषांगिक संगठनों, विभागों एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपस्थिति कांग्रेस पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि लोकसभा चुनावों के उपरान्त विधानसभा उपचुनाव कांग्रेस पार्टी के लिए एक चुनौती के रूप में हैं। लोकसभा चुनाव में पार्टी कार्यकर्ताओं ने एकजुटता के साथ चुनाव लड़ा जिसके परिणामस्वरूप कांग्रेस पार्टी को भले ही अपेक्षा के अनुरूप विजय नहीं मिल पाई हो परन्तु पिछले चुनावों के मुकाबले कांग्रेस पार्टी का वोट प्रतिशत काफी बढ़ा है। बद्रीनाथ एवं मंगलौर विधानसभा चुनाव हमें पूरी एकजुटता एवं ताकत के साथ लड़ना है तथा हमें पूरी आशा है कि हम दोनों विधानसभा क्षेत्रों में भारी मतों से विजय हांसिल करेंगे। इसके लिए हमें बूथ स्तर पर घर-घर व्यक्तिगत तौर पर सम्पर्क करना होगा तथा हम जितने अधिक लोगों से व्यक्तिगत सम्पर्क एवं नुक्कड सभायें करेंगे हमें उतना लाभ मिलेगा। महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रोतेला ने कहा कि लोकसभा चुनावों में महिलाओं की अपेक्षा पुरूषों का मतदान कांग्रेस के पक्ष में रहा है। हमें महिलाओं पर अधिक फोकस करना होगा जिसके लिए महिला कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को अधिक से अधिक जोड़ने की आवश्यकता है। चुनावों में विजय हांसिल करने के लिए सैक्टरों में बांटा जाय तथा वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी जाय।

युवा कांग्रेस अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर ने कहा कि उपचुनाव में युवाओं की अलग-अलग टीम बनाई जाएगी जो नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से बूथ स्तर तक युवाओं से संबंधित बेरोजगारी, अग्निवीर योजना, भर्ती घोटाले जैसे मुद्दे उठाने के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों में भी युवा साथियों से सम्पर्क करना होगा। प्रदेश स्तर से जो भी जिम्मेदारी दी जायेगी युवा कांग्रेस पार्टी प्रत्याशियों के प्रचार में पूर्ण सहयोग करेंगी। बैठक में उपस्थित पार्टी के सभी विभाग एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्षगणों ने भी अपने-अपने सुझाव दिये। बैठक में इंटक अध्यक्ष हीरा सिंह बिष्ट, एनएसयूआई अध्यक्ष विकास नेगी, उपाध्यक्ष विशाल मौर्य, अमरजीत सिंह, किसान कांग्रेस अध्यक्ष हरमिन्दर सिह लाडी, बुद्धिजीवी अध्यक्ष डॉ. प्रदीप जोशी, अनुसूचित जाति अध्यक्ष दर्शन लाल, पूर्व सैनिक अध्यक्ष कै. बलवीर सिह रावत, खेल प्रकोष्ठ अध्यक्ष सत्येंद्र चौधरी, ओबीसी अध्यक्ष गौरव चौधरी, असंगठित कामगार अध्यक्ष सुशील राठी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी अध्यक्ष मुरली मनोहर, अवधेश पंत, प्रदेश महामंत्री नवीन जोशी, गोपाल सिह गडिया, आशीष नौटियाल, मनमोहन शर्मा आदि उपस्थित थे।

वर्क संस्था ने राहगिरों को बांटी शरबत

संवाददाता

देहरादून। वर्ड ऑर्गेनाइजेशन रिलिजन एंड नॉलेज के कार्यकर्ताओं ने धूप में निकले राहगिरों को ठंडा शरबत बांटा। आज यहां वर्ड ऑर्गेनाइजेशन रिलिजन एंड नॉलेज (वर्क) के कार्यकर्ताओं ने टर्नर रोड पर गर्मी के चलते धूप में निकले राहगीरों को रूह अफजा और दूध का ठंडा शरबत बांटने का कार्य किया।

इस अवसर पर वर्क कार्यकर्ताओं ने कहा की इस साल गर्मी का प्रकोप अधिक होने के कारण हर इंसान बहुत परेशान हैं इसलिए वर्क संस्था सभी को गर्मी से राहत दिलाने हेतु ठंडा मीठा पानी (शरबत) बांटने का कार्य कर रही है सभी लोग बड़े खुशी के साथ पी रहे हैं और प्रसन्न होकर दुआएं व धन्यवाद दे रहे हैं और आगे काम करने के लिए सुझाव भी दे रहे है। ऐसा करके वर्क के सभी कार्यकर्ता बहुत खुश है कि हमारे द्वारा किसी को किसी प्रकार से राहत पहुंच सके और देश में शहर में खुशहाली और सुकून का माहौल हो और भाईचारा बड़े इससे सभी लोग एक दूसरे के साथ मिलकर एक दूसरे का हाथ बटाएं और सहयोग कर एक दूसरे की सहायता करें।

वर्क संस्था इस प्रकार के कार्य काफी लंबे समय से कर रही है अभी हाल में हुई बैठक में वर्क ने तय किया था कि आगामी दिनों में वर्क संस्था की सामाजिक कार्य क्या रहेंगे इसी के तहत आज यह ठंडे शरबत का इंतजाम किया गया है और आगे भी वर्क के लोग इस प्रकार के कार्य शहर देहरादून और देश के विभिन्न क्षेत्र में कर रहें हैं और करते रहेंगे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सड़कों पर फैले डिस्पोजल जिन में शरबत पिलाया गया था और आसपास पड़े कूड़ा करकट पॉलिथीन सभी को वर्क के कार्यकर्ताओं ने चिलचिलाती धूप में सड़कों से बीन बटोल कर थैलों में इकट्ठा किया और उसको डस्टबीन व कूड़ेदानों में डालने का कार्य किया कार्यकर्ताओं का मानना है के सेवा भी करो सफाई सुत्राई भी रखो देश को साफ सुथरा स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने के लिएं हमे कार्य करते रहना चाहिए वर्क के कार्यकर्ता शहर में विभिन्न जगहों पर सफाई कार्य अभियान को भी अंजाम देते रहे हैं। इस अवसर पर दानिश अफजल, आरिफ वारसी, इलियास कुरैशी, मोहम्मद फैजान, मोहम्मद फरमान, शाद, डॉक्टर परवेज, सालार वारसी, डॉक्टर इफ्तेखार मदनी, मास्टर शाद मालिक, उजैर वारसी आदि लोगों ने इस समाज सेवा के कार्य में भाग लिया।

पर्यावरण की रक्षा, हमारे आने वाले कल की सुरक्षा

नताशा यादव

हम सब आजकल सुविधाओं में इतने ज्यादा डूब चुके हैं कि हमें आने वाला कल नजर नही आ रहा है कटते जंगल बढ़ती गर्मी की तपिश आज हम ये सब झेल रहे है क्या हमारी आने वाली पीढ़ी ये झेल पाएगी। हमें आज ही इसका समाधान करना होगा पूरे देश प्रदेश में हमें वृक्षारोपण करना होगा व उस वृक्ष की देखभाल भी करनी होगी जैसे हम अपने बच्चों की करते है क्योंकि ये वृक्ष ही हमारे बच्चों को स्वच्छ वायु प्रदान करते है जैसे हम बच्चों का खाना पीना देखते है वैसे ही इनका ध्यान रखना हमारा कर्तव्य करना होगा। जैसे हमारे बच्चे बड़े होते है वैसे ही इनको पालनपोषण करके इनको बड़ा करना होगा जैसे जैसे ये बड़े होंगे इनका लाभ सभी लोगो को मिलेगा। सभी प्रदेशों की सरकारें बहुत से एनजीओ बहुत से वृक्षारोपण के कार्य करते है मगर क्या वे सब बाद में उन वृक्षों को देखने या जल देने जाते है बिल्कुल नहीं क्योंकि आजकल ये सब केवल सोशल मीडिया में फोटो डालने के लिए किया जा रहा है कुछ लोग है जो वृक्षों का ध्यान रखते है मगर आज हम सब को ये संकल्प लेना जरूरी हो गया है के हम सभी मिलकर वृक्षारोपण करे और समय समय पर उसमें खाद पानी भी दे व प्रदेश सरकार का भी सहयोग ले। प्रदेश सरकार द्वारा बहुत सी परियोजनाएं चलाई जाती है मगर वो केवल कागजों में ही दम तोड़ देती है मगर अब समय आ गया है कि हम सब मिलकर सरकार व अन्य संस्थाओं से भी ये अपील कर एक नारा दे। 'न 400 पार न 500 पार प्रत्येक व्यक्ति 5 पेड़ लगाकर सबके जीवन मे लाये खुशियां अपार' इसके लिए सरकार वन विभाग से फलदार, छायादार को मुहैया कराए और अपना उचित सहयोग भी दे ताकि हम

सब की मेहनत रंग लाये और आने वाले समय मे जो तापमान 45 पर जा रहा है उसको रोकने में हम सब अपनी भागीदारी निभाये। वह एक सुझाव सरकार को ही देना चाहूंगी कि जैसे सरकार गर्भवती महिलाओं के लिए योजनाए चलाती है उसमें ये एक बिंदु और जोड़े गर्भावस्था प्रसव के बाद उन महिलाओं को 5 पेड़ दिए जाएं और वो अपने घर के आंगन में या बाहर वो पेड़ लगाए ताकि वो अपने बच्चे को ताजी हवा दे सके इससे हमारे अधिकतर घरों में पेड़ लगाए जाएंगे और बच्चों की तरह उनकी देखभाल होगी और जो तपिश हम झेल रहे है वो आने वाले युग के बच्चे न देखे आज हम ये कार्य करके आने वाली पीढ़ी को उनके जीवन के कम से कम 30 वर्ष की आयु और अधिक हो। वृक्ष ही जीवन है ये सबको बताए और हम सब की आबादी लगभग सौ करोड़ है हम पचास लाख व्यक्ति 5 - 5 पेड़ लगाएंगे तो हम एक नया युग बना सकते है जिसमे ताजी हवा फलदार व छायादार वृक्ष देखे जिनसे हमें फल व धूप से बचाव के लिए छाया भी मिले। आज एक युद्ध जैसी स्तिथि बन गयी है बढ़ते तापमान और सुखमयी जीवन के बीच मे अगर हम आज ये जंग लड़कर जीतते है तो हमारा आने वाला कल एक पर्यावरण हित, स्वच्छ, सुंदर, और वातानुकूलित वातावरण अपने आने वाले बच्चों को दे सकेंगे। जिससे हमारी आने वाली पीढ़ी कहेगी के हमारे पूर्वजों ने हमे ताजी हवा, स्वच्छ पर्यावरण उपहार स्वरूप देकर गए है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें

प्लास्टिक बैग और उसके उत्पादों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाएं। यह सुनिश्चित करें कि आपके घर के कचरे को सही चैनल के साथ अलग.अलग किया गया है या नहीं। कचरे को फैलने से रोकें और दूसरों को भी इसे रोकने के लिए प्रोत्साहित करें। रासायनिक उर्वरकों और किटनाशकों के उपयोग से बचे और जैविक पदार्थों का उपयोग करें। वाहनों से निकलने वाले घुएं को कम करे। ये हमारे पर्यावरण को भारी नुकसान पहुचाते है। जंगलों को बचाएं और पेड़ लगाएं क्योंकि ये पर्यावरण के लिए फेफड़ों जैसा काम करते है। भूतल या सतह जल का उपयोग कम से कम करने का प्रयास करे।

पर्यावरण संरक्षण में युवाओ की भूमिका एहम पर्यावरण के संरक्षण में युवा बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। वो बहुत संवेदनशील और ग्रहणशील होते है और वे बहुत उदारता से कोई भी सलाह या सुझाव लेते है। पेड़ों की रक्षा का संकल्प करें। पेड़ इस ग्रह के फेफड़े की तरह है यह पर्यावरण के बहुत ही आवश्यक सदस्य है। यह फिल्टर की तरह कार्य करते है और किसी भी जगह के हवा की गुणवत्ता को उच्च बनाए रखने का कार्य करती है। ये कार्बन डाइऑक्साइड का सेवन करती है और जीवन के लिए आवश्यक ऑक्सीजन का उत्सर्जन करती है। पेड़ों को बनाए रखने के लिए लाखों जीवन रुपों का उल्लेख करने की आवश्यकता नही हैए ये केवल पक्षियों, कीड़े, सरीसृप इत्यादि पर ही जीवित रह सकते है। हम जितने ही अधिक पेड़ों की रक्षा करेंगे हम पर्यावरण के स्वास्थ्य सुधार में उतना ही योगदान कर सकेंगे।

बद्रीनाथ में मास्टर प्लान से प्रभावितों ने किया सांकेतिक प्रदर्शन

संवाददाता

बद्रीनाथ। मूल निवास, भू-कानून समन्वय संघर्ष समिति ने बद्रीनाथ मास्टर प्लान के प्रभावितों ने सांकेतिक प्रदर्शन कर विरोध दर्ज किया।

आज यहां मूल निवास, भू-कानून समन्वय संघर्ष समिति और बद्रीनाथ मास्टर प्लान के प्रभावितों ने बदरीपुरी में सांकेतिक प्रदर्शन कर विरोध दर्ज किया। इस मौके पर भविष्य के आंदोलन की रणनीति को अंतिम रूप दिया गया। संघर्ष समिति ने मास्टर प्लान से प्रभावित लोगों से मुलाकात की। इस मौके पर स्थानीय लोगों ने अपनी समस्या को समिति के सामने रखा। मूल निवास, भू-कानून समन्वय संघर्ष समिति ने मास्टर प्लान के तहत बद्रीनाथ में चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। इस मौके पर समिति के संयोजक मोहित डिमरी ने कहा कि मूल निवासियों को विश्वास में लिए बगैर बद्रीनाथ में निर्माण कार्य चल रहा है। मास्टर प्लान को लागू करने में नियमों की अवहेलना हुई है और मूल निवासियों/हक-हकूकधारियों को अपनी आपत्ति दर्ज करने का मौका नहीं मिला। मास्टर प्लान कैसे लागू हो इसके लिए उत्तराखंड अर्बन एंड कंट्री प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एक्ट में व्यवस्था है। इस एक्ट के तीसरे अध्याय में नियमों के मुताबिक पहले ड्राफ्ट मास्टर प्लान को प्रकाशित कर सभी पक्षों को आपत्तियां दर्ज करने का अवसर मिलना चाहिए

था, लेकिन सरकार ने बिना अनुमति के ही मकान तोड़ दिये। संघर्ष समिति के सह संयोजक लुशुन टोडरिया ने कहा कि भले ही मन्दिर के चारों और 75 मीटर के दायरे में अधिग्रहण हो रहा हो लेकिन 90 प्रतिशत लोगों ने इस कार्य के लिए कोई एनओसी नहीं दी है और न उनको कोई मुआवजा मिला है और जब तक उन्हें समुचित मुआवजा नहीं मिलेगा वह निर्माण नहीं चाहते। लोगों को विश्वास में लिए बगैर कोई भी कार्य होगा तो इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार को पुनर्वास और मुआवजा नीति स्पष्ट करना चाहिए। ऐसा न हुआ तो स्थानीय लोगों के साथ जनांदोलन शुरू कर दिया जाएगा। समिति के सचिव प्रांजल नौडियाल ने कहा कि मास्टर प्लान के चलते स्थानीय लोगों के सामने गंभीर संकट पैदा हो गया है। जिन लोगों के भवन टूटे हैं, उन्हें सरकार ने अभी तक यह नहीं बताया कि उनका पुनर्वास कहाँ होगा, मुआवजा कितना मिलेगा। बद्रीश पंडा पंचायत के कोषाध्यक्ष अशोक टोडरिया, सुधाकर बाबुलकर, प्रमोद नारायण भट्ट ने कहा कि सदियों पुरानी पोथी नष्ट किया गया। इसके लिए स्थानीय प्रशासन और कार्यदायी संस्था जिम्मेदार है। भूमि और आवंटन को लेकर सरकार की नीति स्पष्ट नहीं है। सांकेतिक प्रदर्शन में प्रवीण ध्यानी, किशोर पंचभैया, रामकिशोर ध्यानी, बागम्बर प्रसाद कोटियाल, अनिल पंचभैया, मिथिलेश पंचभैया, मनोज कोटियाल, सुधाकर बाबुलकर, मुकेश कोटियाल, अखिलेश कोटियाल, श्वेताम्बर ध्यानी, अनिल डिमरी, रामप्रसाद डिमरी, कुणाल पुरोहित, जीतेन्द्र डंगवाल, संजय डंगवाल, आलोक पंचभैया, प्रकाश कोटियाल, अवधेश जागीरदार सहित अन्य प्रभावित मौजूद थे।

रक्तदान के लिए जागरूकता

देवेंद्रराज सुथार

हर वर्ष रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व रक्तदान दिवस' मनाया जाता है। रक्त मानव शरीर का एक महत्वपूर्ण घटक है। यह शरीर के विभिन्न भागों में ऑक्सीजन और पोषक तत्वों को पहुंचाता है, अपशिष्ट उत्पादों को हटाता है और प्रतिरक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दान किया गया रक्त तीन लोगों की जान बचाने में मदद कर सकता है, क्योंकि इसे अलग-अलग घटकों- लाल कोशिकाओं, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स में विभाजित किया जा सकता है। नियमित रक्तदान स्थिर रक्त आपूर्ति बनाये रखने में सहायक होता है, जो आपातकालीन स्थितियों और नियमित चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण है। रक्त बैंकों और अस्पतालों को रक्त की निरंतर आपूर्ति की आवश्यकता होती है, ताकि वे रोगियों की जरूरतों को पूरा कर सकें। इसलिए स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के लिए नियमित स्वैच्छिक रक्तदान अपरिहार्य है। उल्लेखनीय है कि रक्त नहीं मिलने के कारण भारत में प्रतिवर्ष 15 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मापदंड के अनुसार, किसी भी देश में, किसी भी स्थिति में उसकी जनसंख्या का कम से कम एक प्रतिशत रक्त आरक्षित होना ही चाहिए। उक्त मानक के अनुसार, हमारे देश में कम से कम एक करोड़, 3० लाख यूनिट रक्त का हर समय आरक्षित भंडार होना चाहिए। परंतु पिछले वर्षों के आंकड़ों के अनुसार हमारे पास प्रतिवर्ष रक्त की औसतन 9० लाख यूनिट ही उपलब्ध हो पाती है।

इसका कारण है, भारत में रक्तदान के प्रति लोगों में उदासीनता या झिझक। यह उदासीनता जागरूकता की कमी, गलत धारणाओं और सांस्कृतिक दृष्टिकोण सहित कई कारकों के संयोजन से उपजी है। कुछ लोगों का मानना है कि रक्तदान करने से उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो सकती है। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान सुविधाएं या तो दुर्लभ हैं या खराब हैं। पहुंच की यह कमी रक्तदाताओं को हतोत्साहित करती है, क्योंकि उन्हें लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। सो, देश में रक्तदान के महत्व के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने और प्रचलित मिथकों को दूर करने के लिए ठोस प्रयास की आवश्यकता है। भारत जैसे भौगोलिक विभिन्नता वाले देश में, जहां कई क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक आपदाएं अक्सर दस्तक देती हैं, उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में हमारे जवान खून बहाते हैं तथा हमारे पड़ोसी हमेशा युद्ध जैसे हालात पैदा करते हैं, ऐसे में रक्त का पर्याप्त आरक्षित भंडार होना अत्यंत आवश्यक है। अतः देश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में भी सर्वसुविधायुक्त ब्लड बैंक स्थापित करने की आवश्यकता है।

आशावाद भी गायब

जहां युवा बेरोजगारी असामान्य रूप से ऊंची हो और खाद्य मुद्रास्फीति लगातार आठ प्रतिशत से ऊपर हो, वहां कैसी जिंदगी की कल्पना की जा सकती है? अप्रैल के जारी ताजा आंकड़ों में भी खाद्य मुद्रास्फीति 8.7 प्रतिशत दर्ज हुई है। कुवैत में विदेशी मजदूरों के एक रहवास में हुए भयंकर अग्निकांड में मरे 49 लोगों में तकरीबन 4० भारतीय हैं। उधर रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में भाड़े के सैनिक के तौर पर गए दो और भारतीयों की मौत हो गई है। ये भारतीय उन 3० लोगों से अलग हैं, जिनके परिजनों ने भारत सरकार से संपर्क किया था। मतलब यह कि रूस की तरफ से लडने़ के लिए जिन भारतीयों को बहला-फुसला कर ले जा गया गया, उनकी संख्या उससे कहीं अधिक है, जिसकी जानकारी भारत सरकार और भारत के आम लोगों को रही है। यह खबर तो पहले से बहुचर्चित है कि भारत सरकार ने खुद अपने प्रयास से सैकड़ों देशवासियों को युद्धग्रस्त इजराइल में मजदूरी करने के लिए भेजा। तो मन में पहली नजर में भाव यह उभरता है कि त्रासदी कहीं हो, उससे भारतीयों का कोई ना कोई संबंध निकल आता है। आखिर देश में अवसरों की इतनी कमी और उससे उत्पन्न निराशा इतनी व्यापक क्यों है कि देशवासी कहीं भी जाकर अपनी जान खतरे में डालने के लिए तैयार हो जाते हैं? हम कुछ आंकड़ों पर गौर करें, तो इस बारे में कुछ संकेत पा सकते हैं। मसलन, जहां युवा बेरोजगारी असामान्य रूप से ऊंची हो और खाद्य मुद्रास्फीति लगातार आठ प्रतिशत से ऊपर चल रही हो, वहां आम जन की कैसी जिंदगी की कल्पना की जा सकती है? अप्रैल के जारी ताजा आंकड़ों में भी खाद्य मुद्रास्फीति 8.7 प्रतिशत दर्ज हुई है। कुल आलाम यह है कि सर्वे एजेंसी गैलप के एक विश्वव्यापी आकलन में सामने आया कि भारत में सिर्फ 14 फीसदी कर्मचारियों ने अपनी स्थिति को खुशहाल श्रेणी में रखा। बाकी 86 प्रतिशत कर्मचारियों ने अपनी हालत को संघर्षरत या पीड़ादायक बताया। जबकि अपने को खुशहाल बताने वाले कर्मचारियों का वैश्विक औसत 34 प्रतिशत था। शासक तबकों और उनके संचार माध्यमों की तरफ से इस जमीनी सूरत पर परदा डालने के सुनियोजित अभियान लगातार चलाए जाते हैं। मगर उनसे संकट अब छिपाये नहीं छिप रहा है। अब हाल यह है कि अक्सर चुनावों के बाद दिखने वाला आशावाद भी इस बार गायब ही रहा है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गर्मियों में परफ्यूम की महक को पूरे दिन बरकरार रखने के लिए अपनाएं ये 5 टिप्स

भारत के उत्तरी राज्यों में इन दिनों तापमान 45-5० डिग्री का आंकड़ा पार कर रहा है। इस भीषण गर्मी से सभी का हाल बेहाल है। धूप और लू के चलते शरीर में अधिक पसीना आता है, जिसके कारण दुर्गंध आने लगती है। इस मौसम में सबसे बढिय़ा गुणवत्ता वाले परफ्यूम भी ज्यादा देर टिक नहीं पा रहे हैं।ऐसे में हम आपके साथ 5 टिप्स साझा करेंगे, जिनकी मदद से आप परफ्यूम की महक को देर तक बरकरार रख पाएंगे।

अपनी त्वचा को करें मॉइस्चराइज

त्वचा को मॉइस्चराइज करना केवल त्वचा की देखभाल के लिए ही नहीं, बल्कि परफ्यूम की महक को देर तक टिकाने के लिए भी कारगर हो सकता है।आप गर्मियों में परफ्यूम लगाने से पहले अपनी त्वचा पर परत बनाने के लिए जेल आधारित मॉइस्चराइजर का उपयोग कर सकते हैं। जब आप परफ्यूम को हाइड्रेटेड त्वचा पर लगाते हैं, तो उसकी महक ज्यादा देर तक टिकती है।जानिए गर्मी के दौरान तैलीय त्वचा को मॉइस्चराइज करने के फायदे।

पल्स पॉइंट्स पर लगाएं परफ्यूम

हमारे शरीर में कुछ ऐसे पल्स पॉइंट होते हैं, जिन पर लोग परफ्यूम लगाने की सलाह देते हैं। ये पल्स पॉइंट्स गर्दन, कान के पीछे, कलाई और भीतरी कोहनियां होती हैं।कई लोग परफ्यूम लगाने से पहले उनकी महक को भीना बनाने के लिए उसे अपनी कलाइयों पर रगड़ते हैं। हालांकि, ऐसा करने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे खुशबू के अणु तेजी से टूटते हैं।घर से बाहर निकलने से पहले अच्छी तरह प्रेशर पॉइंट्स पर परफ्यूम जरूर लगाएं।

परफ्यूम की बोतल को ठीक से करें स्टोर

हमारे कमरे का तापमान बाहरी मौसम की स्थिति के आधार पर बदलता रहता है। यह बदलता तापमान और धूप परफ्यूम के लिए अच्छे नहीं होते। इसलिए, परफ्यूम की बोतलों को ऐसी जगह पर रखना चाहिए, जहां का तापमान स्थिर रहे।आप परफ्यूम को अपनी ड्रेसिंग टेबल पर रखने के बजाए अपनी अलमारी में रख सकते हैं। साथ ही इसे ठंडी और अंधेरी जगह पर रखना चाहिए।जानिए परफ्यूम, बॉडी मिस्ट, डियोड्रेंट और बॉडी स्प्रे के बीच का अंतर।

अपने शरीर के मुताबिक चुनें खुशबू

हर किसी के शरीर का प्रकार अलग होता है और वे विभिन्न प्रकार के परफ्यूम पर अलग प्रतिक्रिया देते हैं। ऐसे में आप समझने की कोशिश करें की आपका शरीर विभिन्न प्रकार की सुगंधों पर कैसे प्रतिक्रिया देता है।आप अपने शरीर की सुगंध के प्रकार को समझने के लिए परफ्यूम परीक्षण कर सकते हैं। रूखी त्वचा पर तीव्र और स्पाइसी नोट्स वाली सुगंध अच्छी लगती है।साथ ही तैलीय त्वचा वाले लोगों को फलों वाले परफ्यूम लगाने चाहिए।

परफ्यूम को अच्छी तरह करें लेयर

आपको अपने परफ्यूम को अच्छी तरह से शरीर पर लेयर करना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होता है की शरीर के सभी अंगों से समान सुगंध आए। अपने बालों में कंघी करने से पहले अपने हेयर ब्रश पर भी परफ्यूम को हल्के से स्प्रे करें।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य - 75

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

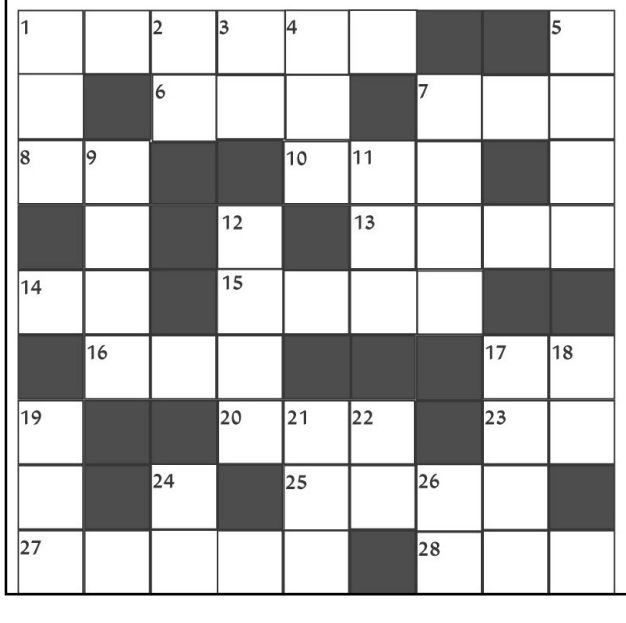

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 74 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

चंदू चैंपियन के आगे भी मुंज्या ने उड़ाया गर्दा

शरवरी वाघ की लेटेस्ट रिलीज फिल्म 'मुंज्या' सिनेमाघरों में बुलेट से भी तेज स्पीड से दौड़ रही है. इस फिल्म को दर्शकों से भरपूर प्यार मिल रहा है और इसी के साथ ये सिनेमाघरों में जमकर कारोबार कर रही है. इस फिल्म ने रिलीज के एक हफ्ते में ही अपनी लागत से ज्यादा कमाई कर ली है

आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बनी 'मुंज्या' रिलीज के पहले दिन से ताबड़तोड़ कलेक्शन कर रही है. बिना बड़े स्टार कास्ट वाली छोटे बजट की इस फिल्म ने जिस तरह से सिनेमाघरों में परफॉर्म किया है वो हैरान कर देने वाला है. दिलचस्प बात ये है कि 'मुंज्या' ने रिलीज के 6 दिन में ही अपनी लागत वसूल कर ली थी और अब

ये रिलीज के दूसरे हफ्ते में भी दमदार कारोबार कर रही है. फिल्म की कमाई की बात करें तो 'मुंज्या' ने रिलीज के पहले दिन 4 करोड़ की कमाई की थी. दूसरे दिन फिल्म ने 7.25 करोड़ कमाए. तीसरे दिन फिल्म ने 8 करोड़, चौथे दिन 4 करोड़, पांचवें दिन 4.15 करोड़, छठे दिन 4 करोड़ और सातवें दिन 3.9 करोड़ का कलेक्शन किया. इसी के साथ 'मुंज्या' ने रिलीज के पहले हफ्ते में ही 35.3 करोड़ का कारोबार कर लिया था. वहीं अब ये फिल्म रिलीज के दूसरे हफ्ते में है और इसके दूसरे शुक्रवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं.

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'मुंज्या' ने रिलीज के 8वें दिन 3.35 करोड़ का कारोबार किया है. इसी के साथ 'मुंज्या' का आठ दिनों का कुल कलेक्शन 38.65 करोड़ रुपये हो गया है.

इस शुक्रवार सिनेमाघरों में कार्तिक आर्यन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'चंदू चैंपियन' रिलीज हुई. 'चंदू चैंपियन' का काफी बज था ऐसे में लग रहा था कि कार्तिक की इस फिल्म के आगे 'मुंज्या' टिक नहीं पाएगी. लेकिन 'मुंज्या' पर 'चंदू चैंपियन' की रिलीज का कोई असर नहीं पड़ा है. फिल्म की कमाई की रफ्तार देखते हुए इसके वीकेंड तक 5० करोड का आंकड़ा पार करने की उम्मीद लग रही है. और इसमें कोई हैरानी नहीं होगी अगर ये फिल्म 1०० करोड़ के क्लब में भी शमिल हो जाए. बता दें कि 'मुंज्या' में शरवरी वाघ, मोना सिंह और अभय वर्मा ने अहम रोल प्ले किया है.ये फिल्म दिनेश विजान की मैडॉक सुपरनेचुरल यूनिवर्स की स्त्री, भेडिया़ और रूही के बाद चौथी फिल्म है.

नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई विश्वक सेन की फिल्म गैंग्स ऑफ गोदावरी

साउथ की फिल्म गैंग्स ऑफ गोदावरी इन दिनों खूब चर्चा में बनी हुई है. कुछ ही दिनों पहले यह फिल्म थिएटर्स में रिलीज हुई थी. और सिनेमाघरों में रिलीज के महज 15 दिनों के अंदर फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो गई है. गैंग्स ऑफ गोदावरी को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है. तो चलिए आपको बताते हैं कि इस फिल्म को आप कौन से ओटीटी पर कितने रुपये में देख पाएंगे.

गैंग्स ऑफ गोदावरी गोदावरी के तटीय क्षेत्रों में फिल्माई गई एक फिल्म है. इसकी कहानी एक व्यक्ति के गरीबी से अमीरी के सफर को दिखाती है. फिल्म 14 जून को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है. गैंग्स ऑफ गोदावरी को तमिल, कन्नड़ और मलयालम में इसके मूल तेलुगु वर्जन के साथ रिलीज किया है. 31 मई को थिएटर्स में रिलीज हुई इस फिल्म को अभी सिर्फ 15 दिन का समय बीता है और फिल्म रिलीज की जा चुकी है.

गैंग्स ऑफ गोदावरी नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है. बता दें कि नेटफ्लिक्स ने गैंग्स ऑफ गोदावरी का नया ट्रेलर जारी किया था, जिसमें घोषणा की गई कि यह फिल्म 14 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी. नेटफ्लिक्स ने इस फिल्म के राइट्स खरीदे हैं, जिसके चलते नेटफ्लिक्स के सोशल मीडिया पेज पर फिल्म की ओटटी रिलीज डेट बताई गई है. कई भाषाओं में गैंग्स ऑफ गोदावरी की लोकप्रियता को देखते हुए फिल्म को हिंदी में भी रिलीज करने की बात कही जा रही है.

सब्स्क्रिप्शन की बात करें तो नेटफ्लिक्स का भारत में 149 रुपये महीने से सब्स्क्रिप्शन शुरू होता है. इसके अलावा कुछ टेलीकॉम या डीटीएच रिचार्ज पैक में नेटफ्लिक्स सब्स्क्रिप्शन शामिल हैं. बता दें कि पिछले दिनों गैंग्स ऑफ गोदावरी को लेकर खूब कन्ट्रोवर्सी हुई थी. इस फिल्म की एक्ट्रेस को नंदमुरी बालकृष्ण के द्वारा स्टेज पर धक्का दे दिया गया था. जिसके बाद नंदमुरी बालकृष्ण को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया गया था.

स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग सीखते वक्त आया शो बादल पे पांव है का आइडिया:सरगुन मेहता

अपकमिंग सीरियल बादल पे पांव है की निर्माता सरगुन मेहता ने शो के यूनीक कॉन्सेप्ट के बारे में कहा कि स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग करने वाली महिला के ऊपर पहली बार किसी शो की कहानी बनाई गई है।

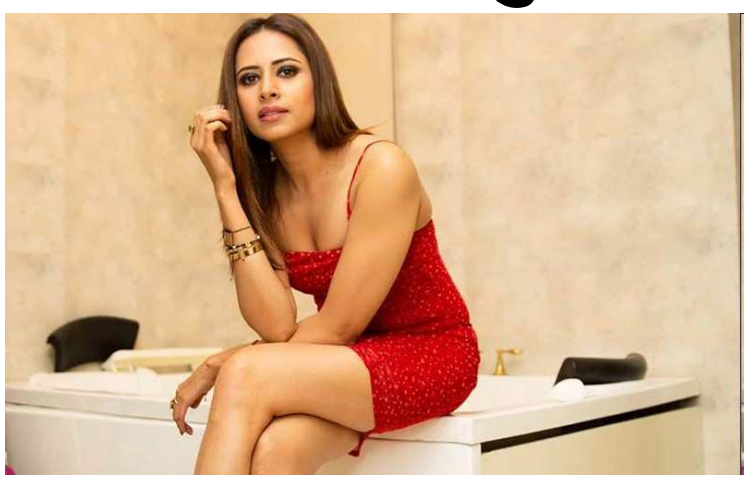

सरगुन ने कहा, मैं बहुत लंबे समय से स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग सीखना चाहती थी, और मेरे सभी दोस्त, मेरे पापा, मेरे भाई और यहां तक कि अब मेरी भाभी भी स्टॉक ट्रेडिंग करते हैं। जब मैं स्टॉक के बारे में सीख रही थी, तब यह आइडिया मेरे दिमाग में आया और मैं सोचने लगी कि मैं यह क्यों करना चाहती हूं और किस तरह के लोग स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग करते हैं।

उन्होंने कहा, तभी बानी का किरदार मेरे दिमाग में आया। यह न केवल मेरे सभी शो से अलग है, बल्कि यह सभी टीवी शो से भी अलग है। सबसे पहले, यह पूरी तरह से एक अलग दुनिया है। लंबे समय तक, महिलाएं केवल सिलाई या खाना पकाने का काम करती थीं क्योंकि उनके लिए करियर के ऑप्शन कम थे। इसलिए, उनमें जो भी स्किल थी, उन्होंने जो कुछ भी सीखा.. उसे करियर में बदल दिया।

सरगुन ने कहा, लेकिन आज की पीढ़ी किसी खास हुनर से बंधी नहीं है। उन्होंने अपने लिए करियर के नए रास्ते खोल लिए हैं। आज महिलाएं हर काम कर रही हैं, तो फिर शेयर बाजार में ट्रेडिंग क्यों नहीं।

एक्ट्रेस अमनदीप सिद्धू द्वारा निभाए गए बानी के किरदार को लेकर सरगुन ने कहा, इस किरदार की परिकल्पना काफी हद तक इस बात पर आधारित है कि मेरी परवरिश कैसे हुई है और मेरी मां कैसी हैं। हम ऐसे लोग हैं जो वाकई बड़े सपने देखते हैं। इसलिए, यह शो ऐसी लडक़ी की कहानी है जो उन सबसे सवाल कर रही है जो कहते हैं कि यही हमारी किस्मत है, और हम इसी में खुश हैं। वह उस सामाजिक मानदंड को चुनौती देती है।

बानी के किरदार के लिए अमनदीप सिद्धू को चुनने पर सरगुन ने कहा, जब हमने अमनदीप का पहला ऑडिशन देखा तो मैं तुरंत उससे कनेक्ट हो गई। जब हमने उनके साथ मॉक शूट किया तो मेरे डायरेक्टर और मैं उन्हें चुनने के लिए 1०० प्रतिशत राजी हो गए। हालांकि, मैं तब तक अमनदीप से नहीं मिली थी। लेकिन जब मैं पहली बार उससे मिली और उसे कुछ सीन सुनाए, तो मैंने उसकी आंखों में एक अलग चमक देखी।सरगुन ने कहा, उसने मुझे अपनी जिंदगी के कई ऐसे किस्से बताए जहां वह बिल्कुल बानी की तरह थी। उस पल, मुझे यकीन हो गया कि वह बानी ही है। अमनदीप बानी के बहुत करीब थी और मुझे लगता है कि वह बस इस किरदार को अपनाने का इंतजार कर रही थी। बादल पे पांव है 1० जून से सोनी सब पर प्रसारित हो रहा है।

ईशान खट्टर के साथ काम करना चाहती हैं अनुष्का सेन

अनुष्का सेन का नाम टीवी जगत की उन अभिनेत्रियो की सूची मे शामिल है, जिन्होंने छोटी उम्र में इंडस्ट्री में खास मुकाम हासिल किया है।अनुष्का अभी 21 साल की हैं और वे टीवी शो से लेकर वेब सीरीज और फिल्मों तक में अपनी अदाकारी का तडक़ा लगा चुकी हैं।अब अनुष्का ने अभिनेता ईशान खट्टर के साथ काम करने की इच्छा जताई है। ईशान उनके पसंदीदा अभिनेता हैं।अनुष्का ने बताया कि उन्हें ईशान की अदाकारी बहुत पसंद है।

बातचीत में अनुष्का ने दिग्गज अभिनेता रणवीर सिंह की भी खूब तारीफ की।उन्होंने कहा, रणवीर सिंह की ऊर्जा बहुत अलग है। हे भगवान, क्या ऊर्जा है। मुझे बहुत अच्छा लगता है जब वह अपनी एनर्जी के साथ दिखाई देते हैं और मुझे वह सफेद कपड़ों में बहुत अच्छे लगे हैं। मुझे यह बहुत पसंद है।अनुष्का अब तक क्रेजी कुक्कड़ फैमिली, लिहाफ-द क्विल्ट और सम्मादिट्ठी जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

अनुष्का ने साल 2००9 में आया टीवी शो यहां मैं घर घर खेली के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई। हालांकि, अनुष्का को पहचान बालवीर से मिली, जो साल 2०12 में आया था।झांसी की रानी, अपना टाइम भी आएगा, देवों के देव...महादेव और इंटरनेट वाला लव जैसे टीवी शो में नजर आ चुकी हैं।

तेरा इश्क मेरा फितूर में बोल्ड सीन करने में नहीं हुई कोई परेशानी : शिवांगी वर्मा

टीवी सीरियल छोटी सरदारनी से पॉपुलर हुईं एक्ट्रेस शिवांगी वर्मा इन दिनों अपने अपकमिंग शो तेरा इश्क मेरा फितूर को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। इसमें उन्होंने काफी बोल्ड सीन दिए हैं। अपने इस सीन को लेकर एक्ट्रेस ने खुलकर बात की।

उन्होंने बताया कि उनके लिए बोल्ड सीन करना काफी आसान था। उन्होंने इसे बहुत अच्छे से किया।

शिवांगी ने बताया कि बोल्ड सीन करना काफी हद तक को-एक्टर पर निर्भर करता है और जहां तक कंफर्ट का सवाल है, उन्हें इसमें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई।

उन्होंने कहा, मैं बोल्ड सीन के दौरान बहुत कंफर्टेबल थी, क्योंकि यह पूरी तरह से आपके को-एक्टर पर निर्भर करता है। सेहबान अजीम के साथ काम करना वाकई शानदार है। उन्होंने मुझे कंफर्टेबल महसूस कराया। इस दौरान डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और बाकी सभी लोग सेट पर मौजूद थे, जिन्होंने हम दोनों को कंफर्ट महसूस कराने के लिए

एक तरह का माहौल बनाया, इसलिए यह जबरदस्ती जैसा नहीं था, बल्कि यह स्टोरी का हिस्सा था, और हमने इसे बेहद खूबसूरती से पूरा किया। और मुझे यकीन है कि दर्शकों को यह पसंद आएगा।

शो की लव स्टोरी के बारे में बताते हुए शिवांगी ने कहा, यह एक इंटेंस लव स्टोरी है। यह पूरी तरह से प्यार के बारे में है। दरअसल, यह म्यूजिकल लव स्टोरी है, जिससे दर्शक आसानी से जुड़ सकेंगे।

एक्ट्रेस ने आगे बताया कि शूटिंग बेहद मजेदार रही।

शिवांगी ने कहा, कलाकारों से मिलना वाकई दिलचस्प था। उनके साथ कहानी को शूट करना मजेदार था और हमने पूरी शूटिंग बाहर ही की। हमने बहुत अच्छा समय बिताया, हमने खूब मौज-मस्ती की। हम शूटिंग करते थे, और फिर हम साथ में मौज-मस्ती करते थे। मुझे लगता है कि ये सब मेरे लिए वाकई यादगार था। तेरा इश्क मेरा फितूर 7 जून को अतरंगी पर प्रसारित हो रहा है।

केरल में अतिथि माने जाते हैं प्रवासी कामगार

अजीत रानाडे

कुछ दिन पहले केरल में घोषित दसवीं कक्षा के नतीजों में शिवराज मोहिते का नाम विशेष उल्लेखनीय रहा। एर्नाकुलम जिले में वेन्निकुलम के सेंट जॉर्ज स्कूल के छात्र शिवराज ने सभी विषयों में ए प्लस हासिल किया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि वह महाराष्ट्र के सांगली जिले के प्रवासी माता-पिता की संतान है। उसने मलयालम भाषा में भी बहुत अच्छे अंक पाये हैं, जो स्कूल में पढ़ाई का माध्यम है।

उसके पिता कपड़े की एक दुकान में सेल्समैन है और दो दशक पहले यहां आ गये थे। तब उनकी शादी नहीं हुई थी। एक अच्छे निजी विद्यालय में उनके दोनों बच्चों को निशुल्क शिक्षा मिली है। उत्तर प्रदेश के एक प्रवासी कामगार की बेटी ने भी बहुत अच्छे अंक प्राप्त किया है। ऐसा उनके अपने गांव शायद संभव नहीं हो पाता, जहां लड़कियां दसवीं कक्षा तक पहुंच भी नहीं पाती हैं। केरल में माता-पिता बेटी की आगे की पढ़ाई के बारे में योजना बना रहा हैं।

इस लड़की की बड़ी बहन यहीं इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही है। एर्नाकुलम जिले में 85 ऐसे छात्रों की सफलता जिला प्रशासन के समर्थन से चल रही रोशनी नामक पहल के कारण संभव हो सकी है। इसके तहत प्रवासी बच्चों को मलयालम, हिंदी और अंग्रेजी की शिक्षा देने के लिए 90 मिनट की विशेष कक्षा लगायी जाती है। इसके लिए हिंदी, बांग्ला और उड़िया में दक्ष वॉलंटियरों की सेवा ली जाती है।

कामगारों के बच्चों की सफलता की कहानियां सैकड़ों की संख्या में हैं, जो स्थानीय भाषा में निशुल्क शिक्षा पाते हैं और आगे की पढ़ाई कर अच्छा करियर बनाते हैं। कुछ वर्ष पहले मलयालम

साक्षरता परीक्षा में बिहार के एक प्रवासी कामगार परिवार की महिला ने राज्य में पहला स्थान प्राप्त किया था। स्नातक परीक्षा में भी एक बार बिहार के ही प्रवासी कामगार की बेटी शीर्ष पर रही थी।

कोरोना महामारी के दौरान जब अनेक राज्यों से प्रवासी वापस अपने घरों को लौटने को मजबूर हुए थे, केरल में उन्हें राशन, आवास और चिकित्सा सेवा मुहैया करायी गयी, जिसके कारण उनके सामने वापसी की नौबत नहीं आयी। जनसांख्यिकीय बदलाव और आबादी की बढ़ती आयु के मामले में केरल देश के सभी राज्यों से बहुत आगे है। जनसांख्यिकीय बदलाव और आबादी की बढ़ती आयु के मामले में केरल देश के सभी राज्यों से बहुत आगे है। यही वह राज्य भी है, जहां से बहुत पहले से अच्छी-खासी तादाद में लोग काम के लिए पश्चिम एशिया जाते रहे हैं। ऐसे विभिन्न कारकों के कारण प्रवासी कामगारों पर राज्य बहुत अधिक निर्भर है। केरल में लगभग 40 लाख प्रवासी कामगार हैं, जिन्हें अतिथि कामगार कहा जाता है। यह सब कहने भर की बात नहीं है।

यही वह राज्य भी है, जहां से बहुत पहले से अच्छी-खासी तादाद में लोग काम के लिए पश्चिम एशिया जाते रहे हैं। ऐसे विभिन्न कारकों के कारण प्रवासी कामगारों पर राज्य बहुत अधिक निर्भर है। केरल में लगभग 40 लाख प्रवासी कामगार हैं, जिन्हें अतिथि कामगार कहा जाता है। यह सब कहने भर की बात नहीं है। वर्ष 2021 में राज्य में अकुशल कामगार को दैनिक मजदूरी के तौर पर 709 रुपये का भुगतान किया गया, जबकि तब राष्ट्रीय औसत केवल 309 रुपये था।

यहां कामगार विभिन्न प्रकार के काम करते हैं। अतिथि कामगारों की रोजगार संभावना बढ़ाने के लिए केरल में कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण के कार्यक्रम भी चलाये जाते हैं। साथ ही, प्रवासी कामगारों के लिए निशुल्क आवाज स्वास्थ्य बीमा योजना भी उपलब्ध है। बच्चों के लिए निशुल्क शिक्षा और स्थानीय भाषा के साथ उन्हें जोड़ना बहुत महत्वपूर्ण है, जिसके बारे में पहले चर्चा की जा चुकी है। कामगारों का शोषण न हो, उन्हें असुरक्षित परिस्थिति में काम न करना पड़े तथा उन्हें समुचित पारिश्रमिक मिले, इन पहलुओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है।

अतिथि कामगारों के पंजीकरण के लिए व्यापक डेटाबेस बनाया गया है, जिससे योजनाएं बनाने तथा कल्याण कार्यक्रमों को लागू करने में मदद मिलती है। वर्ष 2021 में ओडिशा के कालाहांडी जिले में ग्राम विकास नामक संस्था के सर्वेक्षण में पाया गया था कि 26 प्रतिशत परिवारों के लोगों ने मौसमी अकुशल कामगार के रूप में केरल जाना चुना था, जहां उन्हें औसतन 12 हजार रुपये का वेतन हासिल हुआ था।

ओडिशा के अधिकतर प्रवासी कामगारों ने अपने गंतव्य के रूप में केरल को ही चिह्नित किया। देश के विभिन्न हिस्सों से काम करने के लिए केरल जाने की प्रक्रिया ने एक छोटी रेमिटैंस अर्थव्यवस्था खड़ी कर दी है। केरल में कमाई गयी राशि का एक हिस्सा ओडिशा, झारखंड, असम और बिहार जैसे कामगारों के गृह राज्य में आता है।

भारत में 50 लाख से अधिक प्रवासी कामगार हैं, जो अपने राज्य से बाहर काम करते हैं, जिनमें से 40 लाख केरल में हैं। आखिरकार, अर्थव्यवस्था के आकार तथा वृद्धि दर को देखते हुए केरल की ओर यह प्रवाह सीमित हो जायेगा। केरल की आमदनी में विदेशों में कार्यरत लोगों द्वारा भेजी गयी राशि का हिस्सा लगभग 25 प्रतिशत होता था, जो अब घटकर 15 प्रतिशत से भी कम हो गया है। राज्य के सामने आबादी की बढ़ती आयु, मैन्युफैक्चरिंग निवेश का अभाव, रोजगार की कमी, रियल इस्टेट की महंगाई जैसी चुनौतियां हैं।

ज्ञान से संबंधित उद्योगों को आकर्षित करने में केरल ने अच्छी सफलता पायी है, लेकिन शिक्षा एवं अन्वेषण की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अभी बहुत कुछ करना शेष है। फिर भी प्रवासी यानी अतिथि कामगारों के साथ व्यवहार के मामले में केरल अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श उदाहरण है। कामगारों और उनके परिवार के कल्याण के लिए सरकार द्वारा बहुत कुछ किया जाता है, विशेषकर बच्चों की शिक्षा के संबंध में।

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, देश में लगभग 45 करोड़ प्रवासी कामगार हैं, जो राज्य के भीतर या राज्यों के बीच आते-जाते रहते हैं। यह प्रवासन मौसमी, चक्रीय या अर्द्ध-स्थायी हो सकता है। संविधान हमें आर्थिक अवसरों की तलाश के लिए देश में कहीं भी जाने का अधिकार प्रदान करता है। अपने क्षेत्र में काम या जीवनयापन के अवसरों की कमी की समस्या से मुक्त होने का महत्वपूर्ण विकल्प है। पर सभी अन्यत्र नहीं जा सकते, और बहुत कम लोग अपने पूरे परिवार के साथ जा सकते हैं।

भूमि स्वामित्व, विशेषकर छोटे पैमाने पर, वाले जमीन से बंधे रहते हैं। शारीरिक रूप से सक्षम ही दूसरी जगहों पर जा सकते हैं। इस प्रकार, प्रवासन उद्यम का सकारात्मक प्रतीक है और स्थानीय स्तर पर अवसरों के अभाव की प्रतिक्रिया भी है। अधिकतर पश्चिमी देशों में प्रवासन के विरुद्ध माहौल है क्योंकि इसे स्थानीय रोजगार को छीनने के रूप में देखा जा रहा है। केरल का उदाहरण स्थानीय समुदायों पर किसी नकारात्मक प्रभाव के बिना प्रवासियों की क्षमता के उपयोग का तौर-तरीका मुहैया कराता है। प्रवासी कामगार को अतिथि कामगार कहने की सच्ची भावना यही है।

पूरी दुनिया में हल्ला

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने संतुलन के तराजू में इस्त्राइल के शीर्ष नेताओं और हमास के शीर्ष नेताओं को साथ रखने का साहस दिखाया तो पूरी दुनिया में हल्ला मच गया।

आईसीसी के अभियोजन पक्ष ने हमास पर युद्ध अपराध, मानवता के खिलाफ अपराध, मर्डर, रेप, बंधक बनाने जैसे आरोप लगाए गए हैं। वहीं नेतन्याहू और गैलेंट के खिलाफ युद्ध अपराध और मानवता के विरुद्ध अपराध, जिनमें विनाश, उत्पीडन, युद्ध के तरीके के रूप में भुखमरी पैदा करना, मानवीय राहत आपूर्ति से इनकार करना और हमास को हराने के प्रयास में जानबूझकर नागरिकों को निशाना बनाना शामिल है। करीम रवांडा, लेबनान और सिएरा लियोन की आपराधिक अदालतों में भी काम कर चुके हैं।

ये तीनों देश गृह युद्ध और हिंसा की चपेट में आ चुके हैं।

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने इस्त्राइल और हमास पर जो आरोप लगाए हैं, उनकी पुष्टि इन घटनाओं से की जा सकती है। सात अक्टूबर, 2023 को हमास ने इस्त्राइल पर हमला किया था। हमले में 1200 लोग मारे गए थे और कई लोगों को बंधक बनाया गया था। हमास के लड़ाकों ने कई महिलाओं के साथ गैंगरेप किए, उनकी निर्मम हत्याएं की और उनके शरीर को क्षत-विक्षत कर दिया। कई लोगों की गर्दन और उनके अंग काट कर सडक़ पर फेंक दिए गए और फिर आतंकी उनके साथ खेल रहे थे।

कई लोगों ने लोगों की हत्या, रेप और सिर काटे जाने की आवाजें और चीखें सुनीं। हमास के आतंकवादियों के विभिन्न समूहों की क्रूरता के तरीके अलग-अलग थे। इस्त्राइल के पुलिस प्रमुख याकोव शबताई ने कहा कि यह पूर्वनियोजित घटना थी। माना जाता है कि हमास ने इस्लामिक स्टेट समूह और बोस्निया से महिलाओं के शरीर को हथियार बनाने का तरीका सीखा। यह सब इतना भयावह था कि कई लोग इस्त्राइल के मानसिक स्वास्थ्य अस्पतालों में भर्ती हैं, जो उस खौफ से अब भी नहीं उबर पाए हैं, और पागल हो गए हैं। हमास जिन्हें बंधक बना कर ले गया, वे या तो मारे गए हैं, या अंधेरी सुरंगों में नारकीय जीवन जीने को मजबूर कर दिए गए हैं।

हमास की निर्ममता का जवाब इस्त्राइल ने बेहद प्रतिशोधात्मक तरीके से दिया है। इस्त्राइल की जवाबी कार्रवाई में अब तक गजा और वेस्ट बैंक में 35 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। सात अक्टूबर को हमास हमले के बाद इस्त्राइल ने गजा पट्टी की पूरी तरह से घेराबंदी का आदेश दिया अर्थात समूची आबादी का बिजली, पानी और ईंधन बंद कर दिया गया। इस्त्राइल फिलस्तीनी क्षेत्रों पर लगातार हवाई और जमीनी हमले कर रहा है। फिलस्तीनी घायलों को भी नहीं बख्श रहा। गजा में फिलस्तीनी कैदियों को अस्पताल में बिस्तरों पर बेडियों से बांध कर रखा जाता है और आंखों पर पट्टी बांध दी जाती है। कभी-कभी उनके सारे कपड़े उतार दिए जाते हैं। इस्त्राइली सेना ने गजा में पूर्वी रफाह के अलग-अलग इलाकों में हमले कर लाखों लोगों को बेघरबार कर दिया है। इस्त्राइली हवाई हमलों और नाकाबंदी के कारण अधिकांश अस्पतालों ने काम करना बंद कर दिया है। बिजली और ईंधन की कमी के कारण लोग गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। फिलस्तीनी क्षेत्रों में अकाल जैसे हालात बन गए हैं।

हमास को अपने अपराधों पर कोई अफसोस नहीं है और वह बंधकों को छोडक़र युद्ध खत्म करने की कोशिशें भी नहीं कर रहा। वहीं इस्त्राइल ने आईसीसी अभियोजक के इस दावे को जोरदार तरीके से खारिज कर दिया है कि गाजा में आईडीएफ का अभियान जानबूझकर फिलिस्तीनी नागरिकों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से है। युद्ध अपराध और मानवाधिकार की समस्या को लेकर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय की निष्पक्षता को नकारने से वैंकि ताकतों ने भी परहेज नहीं किया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस निर्णय को भयावह बताते हुए कहा कि इस्त्राइल और हमास के बीच कोई समानता नहीं है। चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री पेट्र फियाला ने लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार और आतंकवादी संगठन की झूठी तुलना को भयावह और पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया।

इस्त्राइली राष्ट्रपति इसहाक हरजोग ने इस्त्राइल को लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार और हमास को नृशंस आतंकवादी बताते हुए आईसीसी की तुलना को अपमानजनक कहा। वहीं हमास नेताओं ने करीम खान की मांग के बारे में कहा कि वो कातिल और पीड़ित को एक बराबर रख रहे हैं। दुनिया भर में युद्ध और हिंसा के हालात हैं, ऐसे में अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के निर्णय को नजीर की तरह लिया जाना चाहिए था जिससे संयुक्त राष्ट्र में करोड़ों लोगों का विास बढ़ सकता था।

वहीं संकट यह है कि अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के निर्णयों का पालन कैसे होगा। आईसीसी के समझौते पर जिन 124 देशों ने हस्ताक्षर किए थे उनमें इस्त्राइल शामिल नहीं है। यानी आईसीसी का सदस्य नहीं है। फिलस्तीन समझौते पर हस्ताक्षर करने वालों में शामिल है, ऐसे में आईसीसी के पास कानूनी अधिकार है कि वो कार्रवाई कर सके। अब सवाल है कि अगर वारंट जारी किया जाता है तो फिलस्तीनी प्रशासन को हमास के नेता याह्या सिनवार, हमास की अल कासिम ब्रिगेड के नेता मोहम्मद दियाब इब्राहिम अल मसरी और हमास के राजनीतिक नेता इस्माइल हनियेह को गिरफ्तार करना होगा। फिलस्तीन में कोई प्रशासन है ही नहीं और यह हमास के प्रभाव क्षेत्र में है। अत- नामुमकिन है कि हमास अपने प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर ले। वहीं प्रधानमंत्री नेतन्याहू और रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ वारंट जारी किया जाता है तो आईसीसी के जिस समझौते पर जिन देशों ने हस्ताक्षर किए हैं, उनको मौका मिलने पर जिस व्यक्ति के खिलाफ वारंट जारी किया गया है, उसे हिरासत में लेना होगा। नेतन्याहू को दूसरा कोई देश गिरफ्तार कर ले, यह भी नामुमकिन है। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के गिरफ्तारी वारंट को जायज ठहराते हुए करीम खान ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों और सशस्त्र संघर्ष से जुड़े कानूनों को सभी पक्षों को मानना होगा, फिर चाहे आप कोई भी हों, लेकिन लगता है कि गिरफ्तारी वारंट ठीक उसी तरह मजाक बन जाएगा, जैसे पुतिन के खिलाफ जारी होने के बाद भी वे चीन के खास मेहमान बन कर आ गए थे।

अवैध रुप से संचालित कसीनो में जुआ खेलते 12 लोग गिरफ्तार

उधमसिंहनगर (संवाददाता)। घर की आड में अवैध रूप से संचालित कसीनों में जुआ खेलते 12 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 5 लाख से अधिक की नगदी व 12 हजार रूपये के क्वाइन बरामद कर लिये। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते रोज एस.ओ.जी काशीपुर व थाना बाजपुर पुलिस को दौराने गश्त सूचना मिली कि थाली फार्म दोराहा निवासी गुरमुख सिंह के अपने घर में अवैध रुप से कशीनो संचालित कर रहा है जिसमें बाजपुर काशीपुर रुद्रपुर स्वार जनपद रामपुर आदि क्षेत्रो से जुआ व कसीनो खेलने आते है और लाखो की बाजी लगाते है। आज भी कई लोग गुरमुख सिंह के घर पर आयें है और जुआ व कसीनो खेल रहें है। इस सूचना पर पुलिस टीम द्वारा क्षेत्राधिकारी बाजपुर को अवगत कराया गया जिस पर एस.ओ.जी काशीपुर व थाना बाजपुर पुलिस द्वारा क्षेत्राधिकारी बाजपुर के नेत्तृव में गुरमुख सिंह पुत्र सुलक्न सिंह के घर पर दबिश दी गयी तो घर पर गुरमुख सिंह सहित कुल 12 व्यक्ति केसीनो व जुए में हार जीत की बाजी लगाते हुये पकड़े गये जिनसे हार जीत की बाजी लगाते हुयें फड़ में डाली हुयी नकदी कुल 5 लाख 93 हजार 670 रुपए व कुल 12 हजार कसीनो क्वाइन व ताश की गड्डिया बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना बाजपुर में लाकर मुकदमा दर्ज किया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम चरन सदवानी पुत्र जेठामल निवासी किंगस्टन कालौनी, थाना रुद्रपुर, इमरान खान पुत्र करीम खान निवासी चकस्वार थाना स्वार जिला रामपुर उत्तर प्रदेश, अली हसन उर्फ सेठ पुत्र इब्ने हसन निवासी मौहल्ला रसूलपुर, थाना स्वार, जिला रामपुर, फैज खान पुत्र नवाव खान निवासी मिलक दुन्दी, थाना स्वार, जिला रामपुर, अंकुर कुमार अग्रवाल पुत्र सुरेश कुमार अग्रवाल निवासी गांधी नगर, थाना बाजपुर जिला उधम सिंह नगर, दलीप कुमार पुत्र नन्दलाल निवासी खुशी इन्कलेब, भूरारानी थाना रूद्रपुर, इकरार हुसैन पुत्र अबरार हुसैन निवासी धीमरखेड़ा, मस्जिद के पास, थाना गदरपुर, हरप्रीत सिंह उर्फ सेठी पुत्र कृपाल सिंह निवासी केशोवाला फार्म, थाना बाजपुर, मनीष कक्कड़ पुत्र किशन लाल निवासी आवास विकास, नियर शिव मंदिर,थाना टांजिट कैम्पस, फिरासत अली पुत्र बाबू साह निवासी मुकुन्दपुर, थाना गदरपुर, संजय कुमार पुत्र हरपाल सिंह निवासी-फाजलपुर महरौला, भारत गैस एजेन्सी वाली गली, नियर झा कालेज के सामने, धाना रूद्रपुर, गुरमुख सिंह पुत्र सुलक्खन सिंह निवासी ताली फार्म दोराहा, थाना बाजपुर बताया।

उधार के पैसे मांगने पर दी जान से मारने की धमकी

संवाददाता

देहरादून। उधार के पैसे मांगने पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पीडित ने एसएसपी से गुहार लगायी। एसएसपी ने सम्बन्धित थाना पुलिस को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

आज यहां बंजारावाला निवासी जमील अहमद ने एसएसपी कार्यालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसकी मौहम्मद सरफराज पुत्र मौहम्मद हनीफ, अनस मलिक पुत्र मौहम्मद सरफराज निवासी मुस्लिम कालोनी लक्खीबाग से अच्छी जान पहचान थी जिस कारण उक्त लोगों ने उससे कहा कि वह लकडी का व्यापार करते हुए इस समय उनको पैसे की आवश्कता है।

अच्छी जान पहचान होने पर उसके द्वारा उक्त लोगों को 11 लाख रूपये उधार के दिये गये थे। लेकिन उसके उपरान्त जब उसने उनसे अपने रूपये वापस मांगे तो उक्त लोगों ने उसके साथ गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे जिससे वह काफी डर गया है तथा उक्त लोगों से उसको जान माल का खतरा बना हुआ है। एसएसपी सम्बन्धित थाना पुलिस को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं।

डोभाल चौक गोलीकाण्डः घायलों का... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

से बना हुआ है जिसको ध्वस्त किया जाये। क्षेत्रवासियों की मांग को लेकर गत दिवस नगर निगम की टीम ने वहां पर नपायी भी की थी। धरने के पश्चात कुछ क्षेत्रवासी महिला नेत्री दिप्ती रावत व गब्बर सिंह राणा के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचे और उन्होंने जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका से मांग की है कि घटना में घायल दोनों युवकों का ईलाज सरकारी खर्च पर किये जाने की मांग की।

क्षेत्रवासियों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि सोनू भारद्वाज अपराधी प्रवृत्ति का व्यक्ति है तथा उसके यहां पर बाहरी प्रदेशों के अपराधी शरण लेते है। इसका मकान अवैध निर्माण है जिसको ध्वस्त किया जाये। उन्होंने जिलाधिकारी से सोनू भारद्वाज के खिलाफ अन्य कार्यवाही किये जाने की भी मांग की। जिलाधिकारी ने क्षेत्रवासियों को उचित कार्यवाही किये जाने का आश्वासन दिया।

दिव्यांग फरियादियों के पास स्वयं पहुंचती हैं मुख्य सचिव

संवाददाता

देहरादून। दिव्यांगजनों फरियादियों की समस्याओं के निराकरण के लिए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी भूतल पर विशेष व्यवस्था कर स्वंय उनके पास पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुनकर उसका निराकरण करती हैं।

आज यहां मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने मुख्य सचिव कार्यालय में उनसे मिलने आए दिव्यांग फरियादियों की सुविधा हेतु भूतल पर विशेष व्यवस्था की है। अब दिव्यांगजनो को अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु मुख्य सचिव से मिलने मुख्य सचिव कार्यालय के प्रथम तल पर जाने की आवश्यकता नहीं है। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी स्वयं दिव्यांगजनों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिदिन फरियादियों के पास पहुंचकर उनकी समस्याओं का संज्ञान लेती है। उल्लेखनीय है कि दिव्यांगजनों के साथ ही आमजन की समस्याओं की सुनवाई के लिए मुख्य सचिव कार्यालय में प्रत्येक कार्यालय दिवस पर व्यवस्था की गई है। आमजन मुख्य सचिव से उनके कार्यालय में मिलकर अपनी समस्याओं से अवगत करा सकते हैं। मुख्य सचिव कार्यालय के भूतल स्थित पर्यावरण प्रकोष्ठ में दिव्यांगजनों की सुविधा के दृष्टिगत विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

बारामूला में सेना ने मार गिराए दो दहशतगर्द

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और बिल्कुल भी थमने का नाम नहीं ले रही है। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में सेना ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया है जबकि दो भारतीय जवान घायल हो गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने बुधवार को सुबह बारामूला जिले के वाटरगाम इलाके में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि आतंकियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी जिसके बाद यह तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया। इस मुठभेड़ में सेना ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया है जबकि दो जवान घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि घायल हुए जवानों में एक सेना का और दूसरा पुलिस का जवान शामिल है।

एनसीसी कैडेट्स को अग्नि वीर योजना के संबंध में किया जागरूक

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के तत्वाधान में चौ. भरत सिंह डीएवी इंटर कॉलेज, झबरेड़ा में दिनांक 13 जून 2024 से संचालित इंटर बटालियन प्रतिस्पर्धा कैम्प के सातवें दिन मध्य कमान से आए हुए सैन्य अधिकारियों द्वारा अग्नि वीर योजना के बारे में एनसीसी कैडेट्स को विस्तार से जानकारी दी गई एवं उससे होने वाले लाभों के बारे में अवगत कराया गया। जिसमे प्रमुखत: आरडीसी कैंप में प्रतिभाग करने वाले कैडेट्स को लिखित परीक्षा में छूट, एनसीसी ए, बी, और सी प्रमाण पत्र धारक कैडेट्स को दिए जाने वाले बोनस मार्क्स आदि, पैरा मिलिट्री फोर्सेज एवं पुलिस बल इत्यादि में भर्ती हेतु मिलने वाले आरक्षण के बारे में विस्तार पूर्वक व्याख्यान किया गया । इसके उपरांत कैंप कमांडेंट कर्नल रामाकृष्णन रमेश ने कैडेट्स के मन में अग्निवीर योजना के संबंध में जो जिज्ञासाएं थी उनका प्रतिउत्तर दिया गया जिससे कैडेट्स काफी संतुष्ट नजर आये।

आज इंटर बटालियन प्रतिस्पर्धा में प्रतिभाग करने वाले कैडेट्स का इंटर ग्रुप जजिंग डिस्टेंस एवं फील्ड सिग्नल का टेस्ट डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल अमन कुमार सिंह द्वारा लिया गया, इस टेस्ट में सफल होने वाले कैडेट्स द्वारा जुलाई माह में हल्द्वानी में आयोजित होने वाले इंटर ग्रुप कम्पटीशन में रुड़की ग्रुप मुख्यालय की टीम के नाते प्रतिभाग किया जाएगा। इस अवसर पर सूबेदार मेजर केदार सिंह रावत, कैम्प अदजुडेंट कैप्टन सुशील कुमार आर्य, कैप्टन धर्म सिंह, कैप्टन रविंद्र कुमार, थर्ड ऑफिसर अरुण कुमार, थर्ड ऑफिसर शशिकांत शर्मा, थर्ड ऑफिसर नीता देवी, केयरटेकर श्रीमती तृप्ति कपूर आदि द्वारा कैडेट्स की ट्रेनिंग, चिकित्सा, भोजन इत्यादि का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

राहुल के जन्मदिवस पर कांग्रेसियों ने किया वृक्षारोपण व शरबत की छबील लगायी

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेसी नेता व पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के जन्म दिवस पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने शरबत की छबील लगायी व वृक्षारोपण कर पर्यावरण सुरक्षा दिवस के रूप में मनाया।

आज कांग्रेस भवन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। राहुल गांधी के जन्मदिन को कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के नेतृत्व में ठंडे शरबत की छबील लगायी। गर्मी के प्रकोप के चलते लोगों ने छबील पर आकर शीतल शरबत पिया। वहीं पर्यावरण सुरक्षा दिवस के रूप में मनाते हुए कांग्रेस महानगर अध्यक्ष डॉ जसविन्दर सिंह गोगी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने गांधी पार्क में वृक्षारोपण भी किया। गोगी ने कहा कि देश के राजनीतिक वातावरण में जब भय और दुष्प्रचार व्याप्त था तो राहुल गांधी ने पूरे देश में भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से प्रेम, सद्भाव का संदेश दिया और तानशाही ताकतों से लड़ने की प्रेरणा लोगों को दी। इस लोकसभा चुनाव में प्रतिकूल माहौल में भी कांग्रेस और सहयोगी दलों ने शानदार प्रदर्शन किया। आज राहुल देश में राजनीतिक संघर्ष के प्रतीक पुरुष के रूप में स्थापित हुए हैं। समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता और देशवासी उनके साथ हैं और उनकी लंबी उम्र की कामना करते हैं। राहुल गांधी को सभी कार्यकर्ता हार्दिक बधाई और शुभकामनाओं के साथ साथ यह आश्वासन देते हैं कि उनके संघर्ष में सभी लोग पूरे मनोयोग से राहुल के साथ खड़े हैं। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं द्वारा कांग्रेस भवन में मिष्ठान वितरण भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत, प्रदेश महासचिव याकुब सिद्दकी, संजय भारती, मुकीम अहमद पार्षद, फारुक अहमद, ललित बद्री, सुभाष धीमान, एसबी थापा, फैसल, संजय गौतम, ललित थापा, रजत, मंजू गुप्ता, सविति थापा, पूनम कंडारी, इस्तिकार, रवि हसन, मुस्तकिम अंसारी, राजेंद्र, रिपु दमन सिंह, संजय भारती, अशोक, गजेंद्र सिंह, सूकराम आदि उपस्थित थे।

एक नजर

फिल्म 'हमारे बारह' को बॉम्बे हाईकोर्ट से मिली राहत

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि उसने अभिनेता अन्नू कपूर अभिनीत श्हमारे बारहश फिल्म देखी और इसमें कुरान या मुस्लिम समुदाय के खिलाफ कुछ भी आपत्तिजनक नहीं पाया। अदालत ने इसके साथ ही कहा कि फिल्म वास्तव में महिलाओं के उत्थान के उद्देश्य से बनाई गई है। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि भारतीय जनता भोली या मूर्ख नहीं है। न्यायमूर्ति बी पी कोलाबावाला और फिरदौस पूनीवाला की पीठ ने कहा कि फिल्म का पहला ट्रेलर आपत्तिजनक था, लेकिन उसे हटा दिया गया है और फिल्म से ऐसे सभी

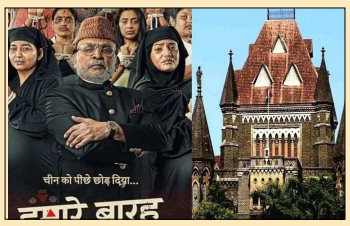

आपत्तिजनक दृश्य हटा दिए गए हैं। अदालत ने कहा कि यह वास्तव में एक सोचने वाली फिल्म है और ऐसी नहीं है जहां दर्शकों से अपना दिमाग घर पर रखनेश और केवल इसका आनंद लेने की उम्मीद की जाती है। उच्च न्यायालय ने कहा, यह फिल्म वास्तव में महिलाओं के उत्थान के लिए है। इस महीने की शुरुआत में उच्च न्यायालय में कई याचिकाएं दायर की गई थीं, जिसमें दावा किया गया था कि यह मुस्लिम समुदाय के लिए अपमानजनक है और इसमें कुरान में कही गई बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। हालांकि, शुरुआत में उच्च न्यायालय ने फिल्म की रिलीज को स्थगित कर दिया था, लेकिन बाद में निर्माताओं द्वारा यह कहने के बाद कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के निर्देशानुसार आपत्तिजनक अंशों को हटा दिया जाएगा, उसने रिलीज की अनुमति दे दी। इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया, जिसने पिछले सप्ताह फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी और उच्च न्यायालय को सुनवाई करने और उचित निर्णय लेने का निर्देश दिया।

कुवैत सरकार अग्निकांड में मारे गए लोगों के परिजनों को देगी 15-15 हजार डॉलर मुआवजा

दुबई। कुवैत की सरकार दक्षिण अहमदी गवर्नरेट में पिछले दिनों हुए अग्निकांड में मारे गए 46 भारतीयों समेत सभी 50 लोगों के परिजनों को 15-15 हजार डॉलर का मुआवजा देगी। 'अरब टाइम्स' अखबार

में मंगलवार को प्रकाशित खबर के अनुसार कुवैत के अमीर, शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह के आदेश पर मृतकों के परिजन को 15-15 हजार डॉलर (12.5 लाख रुपये) की राशि मुआवजे के तौर पर दी जाएगी। सरकारी सूत्रों के हवाले से अखबार ने लिखा कि संबंधित दूतावासों को यह राशि पहुंचाई जाएगी। अग्निकांड में फिलीपींस के तीन नागरिक भी मारे गए थे और एक मृतक की पहचान नहीं हुई है। खबर में कहा गया है कि संबंधित दूतावास मृतकों के परिजनों तक राशि पहुंचाने का काम करेंगे। बता दें कि, हाल ही में कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह ने मृतकों के परिवारों को वित्तीय सहायता वितरित करने के निर्देश जारी किए थे। हालांकि तब उन्होंने मुआवजे की राशि का उल्लेख नहीं किया था।

पत्नी के निधन से दुखी असम के होम सेक्रेटेरी ने खुद को मारी गोली

नई दिल्ली। असम के गृह सचिव शिलादित्य चेतिया ने मंगलवार को लंबी बीमारी के चलते अपनी पत्नी के निधन के बाद गुवाहाटी के एक निजी अस्पताल में आत्महत्या कर ली। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 2009 बैच के आईपीएस अधिकारी चेतिया ने आईसीयू के अंदर अपनी सरकारी रिवॉल्वर से उन्होंने खुद को गोली मार ली, जहां उनकी पत्नी की मौत हो गई थी। चेतिया की पत्नी ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित थीं और पिछले कुछ महीनों से अस्पताल में भर्ती थीं। असम

पुलिस कमिश्नर ने कहा, शिलादित्य चेतिया असम सरकार में होम सेक्रेटरी के पद पर थे। उनकी पत्नी लंबे समय से कैंसर से जूझ रही थीं। जैसे ही डॉक्टर ने उनकी पत्नी को मृत घोषित किया उसके कुछ ही पलों के बाद उन्होंने जान दे दी। असम पुलिस परिवार इससे बेहद दुखी है। चेतिया पिछले 4 महीनों से छुट्टी पर चल रहे थे और अपनी पत्नी का इलाज करा रहे थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, शिलादित्य चेतिया अपनी पत्नी की बीमारी के कारण पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से बेहद परेशान थे और आज यह दुखद हादसा हो गया। चेतिया के पिता भी पुलिस अफसर थे। उनकी दो बहने हैं। कुछ ही महीनों पहले उनकी मां और सास का भी निधन हो गया था। शिलादित्य चेतिया और उनकी पत्नी की कोई संतान नहीं थी।

किसानों का लाखों रूपये गबन करने वाला ईनामी दो साल बाद गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। किसानों के लाखों रूपये का गबन करने वाले दो साल से फरार 15 हजार के ईनामी को एसटीएफ ने हरिद्वार के लक्सर से गिरफ्तार किया।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ, आयुष अग्रवाल द्वारा बताया गया कि थाना खटीमा जनपद उधमसिंह नगर से विगत 02 वर्ष से फरार चल रहे शातिर ईनामी अपराधी को उत्तराखण्ड एसटीएफ द्वारा गोपनीय सूचना पर देर रात में लक्सर हरिद्वार से गिरफ्तार किया गया है, जिसको सम्बन्धित थाने में दाखिल किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ, आयुष अग्रवाल द्वारा फरार ईनामी अपराधी के विरूद्ध मुकदमा प्रथम सूचना रिपोर्ट के बारे में जानकारी देते हुये बताया कि पकड़ा गया इनामी गुरमीत पंवार चीनी मिल सितारगंज में पिराई सत्र 2021-22 में आउटसोर्स के माध्यम से गन्ना तौलने कार्य हेतु रखा गया था। क्रय केन्द्र गांगीगिधौर पर सेन्टर इंचार्ज

के रुप में कार्य के दौरान पिराई सत्र 2021-22 का समापन 17 अप्रैल 2022 को हो गया किन्तु आरोपी द्वारा सरकारी दस्तावेजो को चीनी मिल में जमा नही किया गया। गुरमीत पंवार द्वारा गन्ना सेंटर पर किसानों से प्राप्त पर्चियों में हेर फेर कर सरकारी संपत्ति का गबन किया गया था। जिस पर थाना खटीमा में मुकदमा दर्ज किया गया, जिसके उपरान्त ही आरोपी फरार चल रहा था। जिसकी गिरप्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उधमसिंह नगर द्वारा 15 हजार रूपये का इनाम घोषित किया गया। यह आरोपी विगत 02 वर्षों से अपनी पहचान छुपा कर पुलिस की पकड़ से दूर भाग रहा था जिसे उत्तराखंड एसटीएफ देहरादून ने सटीक पतारसी सुरागरसी करते हुए टेक्निकल सर्विलांस की सहायता से लक्सर हरिद्वार से गिरफ्तार किया। जिसको न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

जंगल में मिला मां-बेटे का शव

नैनीताल (हसं)। रामनगर के पीरुमदारा क्षेत्र के जंगल में बीती शाम मां-बेटे का शव मिलने से सनसनी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम रामनगर विकासखंड क्षेत्र के पीरुमदारा इलाके में उस समय सनसनी फैल गई, जब लोगों को जंगल में मां-बेटे का शव मिलने की सूचना मिली। घटना स्थल पर लोगों की भीड़ गई। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही रामनगर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी हैं। रामनगर कोतवाली के कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने बताया कि रामनगर के ग्राम नया झिरना पीरूमदारा निवासी 65 वर्षीय नंदा देवी और उसके 42 वर्षीय पुत्र सुरेंद्र सिंह रावत का घर के पास ही जंगल में शव मिला है। बताया जा रहा है कि सुरेंद्र सिंह रावत की मानसिक स्थिति सही नहीं थी। प्रथम दृष्यता मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन अभी स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता है। बताया कि दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

बालश्रम कराने पर दो संस्थानों पर मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। बालश्रम कराने पर पुलिस ने दो संस्थानों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रम प्रवर्तन अधिकारी अश्वनी कुमार ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने सुभाष नगर में एक गैस एजेंसी व स्वीट शॉप पर छापा मारा तो वहां पर उसने संस्थानों के संचालकों द्वारा बाल श्रम कराते हुए पकड लिया।

झाड फूँक के नाम पर दुष्कर्म करने वाला तांत्रिक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। झाड़ फूंक के नाम पर महिला से दुष्कर्म करने वाले एक तांत्रिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी द्वारा झाड़ फूंक से बीमारी ठीक करने का दावा किया गया था लेकिन उसने महिला के साथ दुष्कर्म की घटना को ही अंजाम दे दिया था।

बीते दिनों लैन्सडाउन की स्थानीय निवासी पीड़िता द्वारा कोतवाली लैन्सडाउन पर शिकायती पत्र देकर बताया गया था कि कथित तांत्रिक सलमान उर्फ समशी निवासी कोटद्वार ने उसके साथ झाड़ फूँक के नाम पर दुष्कर्म किया है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी तांत्रिक की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद आरोपी सलमान उर्फ समशी को लैन्सडाउन बाजार से गिरफ्तार किया गया है। जिसे आज न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

ऑटो की चपेट में आकर दादी पौता घायल

संवाददाता

देहरादून। ऑटो की चपेट में आकर दादी पौते के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार निगम रोड सेलाकुई निवासी राजेन्द्र सिंह ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी मां व उसका बेटा बाजार से घर की तरफ आ रहे थे जब वह घर के पास पहुंचे तो एक अज्ञात ऑटो चालक ने तेजी से ऑटो चलाते हुए दोनों को टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।